देखते ही भविष्य बताओ-मस्तक रेखाओं से

आप किसी की और देखते ही उस व्यक्ति के आचार-विचार, प्रकृति, व्यवसाय, स्तर आदि के बारे में बताने लगें तो कैसा रहेगा? उसके भविष्य के बारे में बताने लगें तो कैसा रहेगा? आप किसी व्यक्ति के मस्तक अर्थात माथे के अनुसार भी भूत, भविष्य और वर्तमान जान सकते हैं। सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार मस्तक की आकृति और मस्तक पर स्थित रेखाओं के आधार पर भूत, भविष्य और वर्तमान जाना जा सकता है। किसी व्यक्ति के मस्तक का आकार - प्रकार भी ध्यान में रखना होता है।

मस्तक तीन प्रकार के बताए गए हैं:-

उन्नत मस्तक:-

यह थोड़ा सा उठा हुआ व चिकना होता है। ऐसे मस्तक पर रेखाएं स्पष्ट दृष्टिगोचर होती है।

सामान्य मस्तक:-

यह सामान्य स्थिति में होता है। इस पर भी रेखाएं स्पष्ट दृष्टिगोचर होती है।

निम्न मस्तक:-

ऐसा मस्तक थोड़ा अंदर की ओर धंसा हुआ होता है। कुछ पक्के रंग का होता है। अतः इस पर रेखाएं स्पष्ट दृष्टिगोचर नहीं होती है।

हम मस्तक के विभिन्न आकार - प्रकार पर चर्चा नहीं करेंगे। हमारा आज का विषय केवल मस्तक के ऊपर स्थित रेखाओं के बारे में है। रेखाओं के विषय में भी बहुत विस्तार से चर्चा की जा सकती है, परंतु हम यहां पर अधिक विस्तार में न जाकर रेखाओं के विषय में संक्षेप में चर्चा करेंगे। मस्तक पर सात रेखाएं होती है जिन्हें देखकर व्यक्ति के बारे में जाना जा सकता है।

व्यक्ति का व्यवहार कैसा होगा और उसका व्यक्तित्व कैसा होगा?

रेखाओं के आकार के विषय में हम देखें तो मस्तक पर आंखों के बीच में सीधी रेखा हो या गोलाकार रेखा हो तो वह सफलता प्रदान करती है।

किसी व्यक्ति के हंसने पर दोनों भौहों के बीच में यदि रेखाएं बनती है तो ऐसा व्यक्ति आध्यात्मिक प्रकृति का तथा दयालु हो सकता है। ऐसे व्यक्ति दूसरों की मदद करने वाले होते हैं।

यदि मस्तक रेखाओं पर स्वस्तिक या त्रिशूल का चिन्ह बनता है तो ऐसा व्यक्ति गुणी होता है। वह धनी तथा सफल पारिवारिक जीवन वाला होता है।

यदि किसी व्यक्ति का सिर बहुत छोटा है और उस पर स्थित रेखाएं तितर-बितर हो तो ऐसा व्यक्ति दुखी होता है।

यदि किसी व्यक्ति के मस्तक पर केवल एक गहरी धनुष के आकार की रेखा होती है तो ऐसा व्यक्ति भ्रमणशील होता है। साथ ही ऐसा व्यक्ति उदार चरित्र वाला होता है।

जिन व्यक्तियों के मस्तक पर वृत्ताकार रेखाएं होती है वे पत्रकार हो सकते हैं। ऐसे व्यक्ति संचार क्षेत्र में सफल होते हैं तथा अच्छे वक्ता होते हैं।

यदि मस्तक में ऊपरी रेखाएं स्पष्ट हो तो ऐसे व्यक्ति आनंदित जीवन जीते हैं। उनका पारिवारिक जीवन सुखी होता है। वे प्रसिद्ध तथा भाग्यशाली होते हैं।

मस्तक के ऊपरी भाग में शनि और गुरु रेखाएं अर्धचंद्राकार हो तो ऐसे व्यक्ति बहुत भाग्यशाली होते हैं। इसके साथ ही अच्छी सूर्य और चंद्र रेखा हो तो भाग्य में वृद्धि होती है। ऐसे व्यक्तियों को अल्प संघर्ष से ही सफलता प्राप्त हो जाती है।

मस्तक पर सात रेखाओं में से यदि कोई चार रेखाएं अखंड अर्थात बिना टूटे-फूटे बिना कटे और स्पष्ट हों तो ऐसे व्यक्ति सुखी जीवन जीते हैं तथा अपने जीवन में सफलता प्राप्त करते हैं। ऐसे व्यक्ति दीर्घायु होते हैं।

यदि मस्तक पर रेखाएं छोटी हो, और कटी-फटी हो तो यह अच्छा संकेत नहीं माना जाता है। ऐसे व्यक्तियों को जीवन में प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है तथा जीवन यापन कठिन होता है।

हम किसी व्यक्ति का व्यवसाय, आयु तथा पारिवारिक जीवन मस्तक रेखाओं के माध्यम से जान सकते हैं। मस्तक पर कुल 7 रेखाएं होती है। ये सात रेखाएं सूर्य, चंद्रमा, मंगल, बुध, वृहस्पति, शुक्र और शनि ग्रहों की होती है।

अब हम मस्तक पर स्थित ग्रह क्षेत्र की रेखाओं के विषय में और उनसे होने वाले प्रभाव के विषय में चर्चा करते हैं:-

शनि रेखा:- यह रेखा मस्तक में सबसे ऊपर वाले स्थान पर स्थित होती है। यह अधिक लंबी नहीं होती है। यह रेखा मस्तक के मध्य भाग में दिखाई देती है। इस रेखा के आसपास का क्षेत्र शनि ग्रह से प्रभावित माना जाता है। जिन व्यक्तियों के मस्तक में स्पष्ट शनि रेखा हो ऐसे व्यक्ति धीर - गंभीर प्रकृति के होते हैं। इसके साथ ही यदि उन्नत मस्तक हो तो ऐसे व्यक्ति अहंकारी हो सकते हैं। ऐसे व्यक्ति रहस्यमयी होते हैं। यदि मस्तक पर शनि रेखा लंबी हो, बिना टूटी हो अर्थात अखंड हो, तो व्यक्ति का शनि प्रबल माना जाता है। ऐसे लोग ज्योतिषी, तांत्रिक, साधक, उद्योगपति, इंजीनियर तथा जादूगर हो सकते हैं।

बृहस्पति रेखा:- गुरु रेखा अर्थात बृहस्पति रेखा शनि रेखा से थोड़ा नीचे पर स्थित होती है। यह रेखा शनि रेखा की तुलना में थोड़ी लंबी होती है। जिनके मस्तक पर यह रेखा लंबी एवं स्पष्ट दिखाई देती है, वे व्यक्ति उच्च सरकारी पद पर तथा शिक्षा के क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने वाले, विद्वान, विचारक, इतिहासकार, आत्म विश्वासी तथा महत्वाकांक्षी होते हैं।

यदि यह रेखा मस्तक के दोनों सिरो तक फैली हुई हो अर्थात लंबी हो तो ऐसे व्यक्ति असाधारण प्रतिभा के धनी होते हैं। ऐसे व्यक्ति आध्यात्मिक, सिद्धांतवादी तथा विद्वान होते हैं।

बुध रेखा:- यह रेखा खूब लंबाई लिए हुए होती है। ऐसे व्यक्ति व्यावहारिक, बुद्धिमान, ज्ञानी, सूझ-बूझ वाले, व्यापारी, अच्छी स्मरण शक्ति वाले तथा तार्किक होते हैं। ऐसे व्यक्ति अच्छे व्यापारी, बैंकिंग क्षेत्र में कार्य करने वाले, सी.ए., अध्यापक तथा अच्छे वक्ता होते हैं।

शुक्र रेखा:- मस्तक के मध्य भाग में यह रेखा स्थित होती है। यह रेखा आकार में छोटी होती है। ऐसे व्यक्ति सुंदर, आकर्षक तथा संमोहक व्यक्तित्व वाले होते हैं। ऐसे व्यक्ति भ्रमणशील प्रवृत्ति के होते हैं। यदि उन्नत मस्तक पर यह रेखा स्पष्ट रूप से दिखाई दे तो ऐसे व्यक्ति सौंदर्य प्रेमी, भ्रमणशील तथा उच्च जीवन शैली वाले होते हैं। ऐसे व्यक्ति किसी होटेल, रेस्तरां या कला क्षेत्र में

सफलता प्राप्त कर सकते हैं। ऐसे व्यक्ति सौन्दर्य प्रसाधन सामग्री व डेयरी प्रोडक्ट का व्यापार करते है। जिनके मस्तक पर अखंड शुक्र रेखा होती है वे भाग्यशाली होते है। ऐसे व्यक्तियों को अच्छा जीवनसाथी प्राप्त होता है।

सूर्य रेखा:- मनुष्य की दाई आंख की भौंह के ऊपर यह रेखा स्थित होती है। यह रेखा छोटी होती है। इस रेखा के होने से व्यक्ति को यश, सफलता, प्रतिभा तथा राज्य प्राप्त हो सकता है। ऐसे व्यक्ति अच्छी सूझबूझ वाले होते हैं। ऐसे व्यक्ति अनुशासित जीवन जीना पसंद करते हैं। ऐसे व्यक्ति प्रशासक और अच्छे गणितज्ञ हो सकते हैं। ऐसे व्यक्तियों से लोग शीघ्र ही प्रभावित हो जाते हैं। जिनके मस्तक पर अखंड सूर्य रेखा होती है, वे व्यक्ति ज्ञानी, धनी, आध्यात्मिक, प्रशासक तथा नेता हो सकते हैं।

चंद्र रेखा:- मनुष्य की बाई आंख की भौंह के ऊपर यह रेखा होती है। यदि यह रेखा सीधी व स्पष्ट हो तो ऐसे व्यक्ति कल्पनाशील, विकसित बुद्धि वाले, कला प्रेमी तथा भ्रमण शील होते हैं। ट्रांसपोर्ट, ट्रेवल, परफ्यूम, जल, शिपिंग आदि कार्य में ऐसे व्यक्ति देखे जा सकते हैं।

मंगल रेखा:- यह रेखा बृहस्पति रेखा के नीचे होती है। मंगल रेखा होने से व्यक्ति में मंगल के गुण आ जाते हैं। ऐसे व्यक्ति स्वाभिमानी, साहसी, वीर, बुद्धिमान, तार्किक, सदाचारी कथा कर्मठ होते हैं। ऐसे व्यक्ति प्राय: पुलिस या सेना में सफलता प्राप्त करते हैं। विभिन्न खेलों में, अग्नि संबंधी कार्यों में सफलता प्राप्त होती है।